गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

तकनीकी प्रयोग से प्राकृतिक खेती की उत्पादकता में होगा सुधार : कुलपति

पन्तनगर। 23 मार्च 2025। विश्वविद्यालय में डा. वाई.एल. नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित प्राकृतिक खेती केन्द्र, पंतनगर विवि की नोडल अधिकारी डा. सुनीता टी. पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित चार–दिवसीय प्रशिक्षण का समापन विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन; संयुक्त निदेशक, फसल अनुसंधान केन्द्र डा. एस.के. वर्मा, अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्र, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा डा. ए.एच. अहमद, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल तथा प्राकृतिक खेती केन्द्र के अन्य संकाय सदस्य शामिल रहे। कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि कैसे विश्वविद्यालय तकनीकी समागम से प्राकृतिक खेती का एक नया अध्याय लिख सकता है। अन्य अतिथियों ने भी प्राकृतिक खेती से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उत्तराखंड के कृषि विज्ञान केन्द्र से उपस्थित विभिन्न वैज्ञानिकों तथा प्रशिक्षण में भाग लेने आए किसान मास्टर ट्रेनर ने इसकी सराहना की तथा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत ज्ञानवर्धक तथा व्यावहारिक अनुभव था जिसे वे स्थानीय किसानों के साथ भी साझा करेंगे।

प्रशिक्षण के तीसरे और चौथे दिन महाविद्यालयों के विभिन्न विशेषज्ञों डा. शैलबाला, डा. ओमवती वर्मा, डा. अजीत कपूर, डा. सुनीता टी. पाण्डेय, डा. आर. पी. मौर्या, डा. ललित भट्ट एवं डा. अंशु रहल ने प्राकृतिक खेती आधारित व्याख्यानों की श्रृंखला से अवगत कराया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती केंद्र का दौरा, तरल खाद जैसे कुणाप जल, अग्नियस्त्र, नीमस्त्र दशपर्णी आदि की तैयारी का अभ्यास कराया गया। अंत में डा. रश्मि तिवारी ने सभा में मौजूद सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और हैदराबाद स्थित मैनेज संस्थान से पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद डा. लखानी की सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार